एग्री आर्टिकल्स
(कृषि लेखों के लिए ई-पत्रिका)
वर्ष: 02, अंक: 02 (मार्च-अप्रैल, 2022)
www.agriarticles.com पर ऑनलाइन उपलब्ध
© एग्री आर्टिकल्स, आई. एस. एस. एन.: 2582-9882

लोबिया की उन्नत खेती कैसे करें

(*भावना सिंह राठौड़ एवं अक्षिका भावरियाँ)
विद्यावाचस्पति छात्रा, शस्य विज्ञान विभाग, स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविधालय, बीकानेर
* bhavnasingh0409@gmail.com

लोबिया की खेती दलहन फसल के रूप में की जाती है। भारत में इसे चौला और चौरा के नाम से भी जाना जाता है। इसकी कच्ची फलियों का इस्तेमाल सब्जी बनाने में किया जाता है। सब्जी के अलावा इसके दानो का इस्तेमाल खाने में कई तरह से किया जाता है। लोबिया का इस्तेमाल पशुओं के चारे के रूप में भी किया जाता है। इसके पौधों को पकने से पहले खेत में जोतकर इससे हरी खाद भी तैयार की जाती है अगर आप भी इसकी खेती करने का मन बना रहे हैं तो आज हम आपको इसकी खेती के बारें में सम्पूर्ण जानकारी देने वाले है।

उपयुक्त मिट्टी

लोबिया की खेती हल्की, भारी, रेतीली, दोमट लगभग सभी तरह की भूमि में की जा सकती हैं। लेकिन इसकी खेती के लिए भूमि में जल भराव की समस्या नही होनी चाहिए।

जलवायु और तापमान

लोबिया की खेती के लिए गर्म मौसम सबसे उपयुक्त होता है। लेकिन अधिक तेज़ गर्मी भी इसके पौधों के विकास और पैदावार को प्रभावित करती है। लोबिया की खेती के लिए शुरुआत में बीजों को अंकुरित होने के लिए 20 डिग्री के आसपास तापमान की जरूरत होती है। और 15 डिग्री से कम तापमान इसकी खेती के लिए नुकसानदायक होता है। सामान्य तापमान पर इसके पौधे अच्छे से विकास करते हैं।

खेत की तैयारी

लोबिया की खेती के लिए शुरुआत में खेत की तैयारी के वक्त खेत में मौजूद पुरानी फसलों के अवशेषों नष्ट कर दें। उसके बाद खेत की मिट्टी पलटने वाले हलों से गहरी जुताई कर खेत को कुछ दिन के लिए खुला छोड़ दें। खाद को मिट्टी में मिलाने के लिए खेत की कल्टीवेटर के माध्यम से दो से तीन तिरछी जुताई कर दें। उसके बाद खेत में पानी चलाकर खेत का पलेव कर दें। और उसके बाद खेत में पाटा चलाकर भूमि को समतल बना दें। ताकि बारिश के मौसम में खेत में जलभराव जैसी समस्याओं का सामना ना करना पड़ें।

बीज की मात्रा और उपचार

लोबिया के बीजों को खेत में उगाने से पहले उन्हें उपचारित कर लें ताकि बीजों का अंकुरण अच्छे से हो पाए। बीजों को उपचारित करने के लिए थायरम, कार्बेन्डाजिम या कैप्टान दावा की उचित मात्र का इस्तेमाल करना चाहिए। एक हेक्टेयर में लोबिया की रोपाई के लिए 25 से 30 किलो बीज की जरूरत होती है। जबकि हरे चारे और हरी खाद की खेती के लिए 35 से 40 किलो बीज की जरूरत होती हैं।

बीज रोपाई का तरीका और टाइम

लोबिया की खेती का तरीका

लोबिया के बीजों की रोपाई अगर हरे चारे या हरी खाद के लिए कर रहे हों तो इसके लिए छिडकाव विधि का इस्तेमाल करना अच्छा होता है। इसके लिए पहले बीज को खेत में छिडक दें। उसके बाद कल्टीवेटर के पीछे पाटा बांधकर खेत की दो बार हल्की जुताई कर दे। ताकि इसके दाने मिट्टी में अच्छे से मिल जायें।

पौधों की सिंचाई

लोबिया के पौधों को सिंचाई की ज्यादा जरूरत नही होती। लेकिन गर्मियों के मौसम में हरी फलियों के लिए की जाने वाली इसकी पैदावार को सिचाई की ज्यादा जरूरत होती है। इस दौरान इसके पौधों की सप्ताह में एक बार सिंचाई करना अच्छा होता है। जिससे पौधे अच्छे से विकास करते हैं और पैदावार भी अधिक मिलती है। जबकि खरीफ के वक्त इसकी पैदावार को पानी की काफी कम जरूरत होती है। इस दौरान इसके पौधों की आवश्यकता के अनुसार दो से तीन सिचाई ही करनी चाहिए। रबी के मौसम में इसके पौधे को 10 से 15 दिन के अंतराल में पानी देना अच्छा होता है।

उर्वरक की मात्रा

लोबिया के पौधों को उर्वरक की सामान्य जरूरत होती है। इसके लिए शुरुआत में जैविक खाद के रूप में प्रति हेक्टेयर 12 से 15 गाड़ी पुरानी गोबर की खाद को खेत में छिडककर मिट्टी में मिला दें। इसके अलावा रासायनिक खाद के रूप में दो बोरे एन।पी।के। की मात्रा का छिडकाव खेत की आखिरी जुताई के वक्त करना चाहिए।

खरपतवार नियंत्रण

लोबिया की खेती में खरपतवार नियंत्रण रासायनिक और प्राकृतिक दोनों तरीकों से किया जा सकता है। रासायनिक तरीके से खरपतवार नियंत्रण के लिए इसके बीजों की रोपाई के तुरंत बाद पेंडीमेथालिन की उचित मात्रा का छिडकाव खेत में कर देना चाहिए। इससे खेत में नई खरपतवार जन्म नही ले पाती है। और जन्म लेती भी हैं तो उनकी मात्रा काफी कम पाई जाती है।

फसल की कटाई

लोबिया की कच्ची हरी फलियों के लिए पैदावार करने के दौरान इसके पौधे बीज रोपाई के 40 दिन बाद तुड़ाई के लिए तैयार हो जाते हैं। इसकी हरी फलियों की तुड़ाई पकने से पहले कर लेनी चाहिए। जबकि इसकी खेती से दानो के रूप में पैदावार लेने के दौरान इसके पौधे बीज रोपाई के लगभग 100 से 110 दिन बाद कटाई के लिए तैयार हो जाते हैं।

पैदावार और लाभ

लोबिया की खेती इसकी पैदावार के रूप में हरी फलियों और दानो के लिए की जाती है। हरी फलियों के रूप में इसकी विभिन्न किस्मों का औसतन उत्पादन 125 किवंटल के आसपास पाया जाता हैं। जबकि दानो के रूप में इसका उत्पादन 20 किवंटल के आसपास पाया जाता हैं। जिनका बाज़ार भाव काफी अच्छा मिलता है। जिससे किसान भाई इसकी खेती से कम खर्च में अधिक लाभ कमा सकता है।